REVISION WORKSHEET

- **रिक्त स्थान भरिए :**

(अजनबी, मतलब, जनम, प्यार)

१. एक दुनिया रचें आओ हम प्यार की ।
२. अजनबी हो भले हाथ अपने मगर ।
३. इन सवालों का कुछ आज मतलब नहीं ।
४. एक धरती ने हमको दिया है जनम ।

- **समान तुक वाले शब्द लिखिए :**

५ दुनिया - गलियाँ
६ अपने - सपने
७ मान - जान
८ टूटते - फूटते
९ - आप के विचार में छोटे बालकों की दुनिया में क्या क्या होना चाहिए?

उ→ मेरे विचार से छोटे बालकों की दुनिया थोड़ी मज़ेदार होनी चाहिए । खेलना, खाना, पीना और घूमने के बावजूद कुछ सीखने की चीजें भी होनी चाहिए ।

निम्न लिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

किसी तालाब में एक बातूनी कछुआ रहता था। उसी तालाब के किनारे दो हंस भी रहते थे वे तीनों आपस में मित्र थे। एक बार गरमी के मौसम में तालाब का पानी सूखने के कारण हंस दूसरे तालाब पर उड़कर जाने के लिए तैयार हो गए। कछुआ भी तैयार था, लेकिन उसे ले जाने की समस्या थी। कछुए ने उपाय बताया कि दोनों हंस अपनी चोंच में एक लकड़ी के सिरों को पकड़ लेंगे और वह उस लकड़ी को अपने मुँह में पकड़ लेगा, जिससे तीनों मित्र एक साथ एक ही तालाब पर रहेंगे। हंसों ने कहा कि उपाय तो अच्छा है, लेकिन बातूनी होने के कारण तुम रास्ते में बात न करने लगना नहीं तो तुम नीचे गिरकर मर जाओगी। कछुआ ने कहा कि वह मूर्ख नहीं है। वह अपने पैर पर स्वयं कुल्हाड़ी क्यों मारेगा? योजनानुसार वे उड़ गए। रास्ते में कुछ लोगों की बात सुनकर कछुआ बोल पड़ा और नीचे गिरकर अपनी जान खो बैठा। हमें कभी भी फालतू बातों में न पड़कर अपने लक्ष्य की तरफ ही ध्यान देना चाहिए।

प्रश्न

१०- तीन मित्र कौन-कौन थे?
(क) दो हंस, एक कछुआ
(ख) कछुआ और हंस
(ग) एक हंस
(घ) एक कछुआ

११. किसे दूसरे तालाब में जाने की समस्या थी?
(क) हंसों को
(ख) कछुए को
(ग) लोगों को
(घ) सभी को

१२. तालाब सूख गया क्योंकि
(क) बहुत गरमी थी
(ख) बहुत सरदी थी
(ग) बहुत वर्षा थी
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

१३. हंसों ने कहा कि उपाय तो अच्छा है पर
(क) तुम बातूनी होने के कारण रास्ते में बात नहीं करना
(ख) तुम चालाक होने के कारण रास्ते में बात नहीं करना
(ग) तुम मूर्ख होने के कारण रास्ते में बात नहीं करना

(घ) तुम बुद्धिमान होने के कारण रास्ते में बात नहीं करना

१४ - अपने पैर पर स्वयं कुल्हाड़ी मारने का अर्थ है:
(क) अपना नुकसान स्वयं करना
(ख) अपना फायदा करना
(ग) अपना कार्य स्वयं करना
(घ) स्वयं कुल्हाड़ी मारना

१५. कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

उ→ एक दुनिया रचें

रमेश तैलंग ने यह कविता 'एक दुनिया रचें' लिखी है। यहाँ अलग अलग रंग रूप, वेश भूषा, अलग-अलग बोली, तरह तरह रंग रूप आदि के साथ रहते हैं। अनेकता में भी एकता होनी चाहिए। हमें इस संसार को इस तरह सुंदर बनाना चाहिए, अपनेपन भावना से प्यार भरी दुनिया बनाना चाहिए। हमें एक ऐसी संसार बनाने चाहिए जो जिसमें खुशियाँ ही खुशियाँ हो। हमें ये भेदभाव की दीवार तोड़ देनी चाहिए।

१६- अनुच्छेद लिखिए :

मेरा प्रिय मित्र

मेरे स्कूल में बहुत सारे दोस्त हैं। उनमें से मेरा प्रिय दोस्त रवीश है। उसका जन्म जनवरी २१ 2010 को हुआ था। वो बहुत ही अच्छा और सच बोलने वाला लड़का है। वो सबकी मदद करता है। उसे साफ सुथरे के खुश पर उसे क्लीनलीनेस अवार्ड मिला है। इस साल उसे दो बार 'बेस्ट स्टूडेंट ऑफ दी मनथ' कहा गया है। इस महीने में हम दोनों को यह कहा गया है। हम दोनों छुट्टियों के दिन पार्क में खेलने जाते हैं। इसलिए मुझे मेरा मित्र बहुत अच्छा लगता है।

१७- कितनी बार कहा पेड़ पर मत चढ़ना - किसने किससे कहा और क्यों कहा?

उ> मोहन के बड़े भाई ने मोहन से कहा क्योंकि उनके पिता ने मना किया था कि वो पेड़ पर चढ़ना मना किये थे,

१८. मोहन रोते हुए किसके पास गया?
उ→ मोहन रोते हुए उनके माँ के पास गया।

१९ - माँ ने मोहन से क्या पूछा?
उ→ माँ ने मोहन से पूछा कि "तुम रो क्यों रहे हो?"

२० - माँ ने ऐसा क्यों कहा कि तुम भी जाकर उसे मारो?
उ→ माँ ने ऐसा कहा क्योंकि वे कहे 'यह सब भाई बहनों में होता है'।

२१. मोहन क्यों उदास हो गया?
उ→ मोहन उदास हो गया क्योंकि उनकी माँ ने कहा तुम अपने बड़े भाई को भी जाकर मारो।

२२. मोहन ने ऐसा क्यों कहा कि मुझे मारना क्यों सिखाते हो?

उ→ मोहन ने ऐसा कहा क्योंकि मोहन को लगता था कि बड़ों को मारना नहीं चाहिए।

२३. उ→ माँ ने मोहन को गोदी में लेकर कहा - तुम ऐसी बातें कहाँ से लाते हो?

२४.उ→ यह कहा कि मनुष्य क्रोध को प्रेम से, पाप को सदाचार से, लोभ को दान से और मिथ्या भाषण को सत्य से जीत सकेगा।

२५.उ→ पाठ का संदेश है कि हमेशा हिंसा का बदला हिंसा से नहीं, अहिंसा से भी लिया जा सकता है।

२६.उ→ एक बार एक तालाब में दो हंस संकट और विकट, मछलियाँ और एक कछुआ रहते थे। एक दिन कुछ मछुआरे गुजर रहे थे और तभी उन्होंने सोचा की कल वे इस तालाब से मछली और कछुए को पकड़ेंगे, यह बात करते हुए संकट और विकट ने सुनली और मछलियाँ और को बता दी। कछुआ ने उनकी मदद माँगी और तभी वे डंडा लेकर आए और उन्होंने दो सिरों को पकड़ा और उसके बाद कहा - तुम अपने मुँह से बीच हिस्सा पकड़ना और उड़ने के वक्त मुँह मत खोलना। तभी उड़ने के वक्त कछुए ने गाँव के कुछ बच्चों की बातें सुनकर मुँह खोल दिया और गिर पड़ा।

२६-उ→ मूल उद्देश्य यह है कि हमेशा संकट और हर समय धैर्य रखना चाहिए।

२८) उ→ इस कहानी के अंत में कछुआ मर गया।

२९) उ→ तितली कली को आलसी तोड़ने के लिए जगा रही थी।

३०) उ→ आलस करने वालों का बहुत बुरा हाल होता है।

३१) उ→ संदेश यह है कि हमेशा आलस नहीं करना चाहिए

३२) उ→ सेवा में
श्रीमान प्रधानाचार्य
ऑडिसम पब्लिक स्कूल
पटौआ, शिशु विहार

मान्यवर महोदय
सविनय निवेदन यह है कि मेरी बड़ी बहन की विवाह २०.१०.२१ को निश्चित हुआ है। वहाँ पर काम करने के लिए वहाँ आवश्यक है। इसलिए मुझे दिनांक १९.१०.२१ से २२.१०.२१ तक का तीन दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद
आपका आज्ञाकारी छात्र
अमीत
कक्षा - छठा
तारीख - १९/१०/२१

३३.उ→ • गांधीजी का जन्म २ अक्टूबर 1869 को हुआ था।
• उनके माता का नाम पूतली बाई तथा पिता का नाम करमचाँद गांधी था।
• उनका पूरा नाम मोहनदास करमचाँद गांधी है।
• उन्हें हम राष्ट्रपिता, बापू के नाम से जानते हैं।
• वे अपनी उच्चशीक्षा के लिए लंडन गए थे।
• वे हमेशा अहिंसा और सत्य को चाहते थे।
• उनको बचपन में भूत बहुत डर लगते थे।
• उनको हमारे देश की आजादी के लिए बहुत कुछ किया है।
• उनका मृत्यु 30 जनवरी 1948 को हुआ था।
• उन्होंने लवण सत्याग्रह भी किया था।

३४-उ→

- हंस का रंग सफेद होता है।
- वे तालाब और झरने में रहते हैं।
- वे कीड़े, छोटी मछलियाँ आदि खाते हैं।
- वे माता सरस्वती के वाहन हैं।
- वे जब पानी में तैरते हैं, तो बहुत सुंदर लगते हैं।

३५. <u>विलोम शब्द लिखिए-</u>

राजा - रानी
प्रेम - घृणा
देश - विदेश
आना - जाना